वक़्फ़

चौदहवां फ़िक़्ही सेमिनार (हैदराबाद) दिनांक 1-3 जमादिउल अव्ल 1425 हिजरी, मुताबिक़ 20-22 जून 1989 ई॰ को आयोजित हुआ।

वक़्फ़ को इस्लामी इतिहास में बडा महत्व प्राप्त रहा है और वक़्फ़ ज़रिए बडे बडे तहज़ीबी व तमद्दुनी, जन कल्याण तथा अवामी भलाई के काम किए गए हैं। इस तथ्य को सामने रखते हुए सेमिनार ने निम्न बातें तय की हैं।

1- हिन्दुस्तान में मुस्लिम औक़ाफ़ को सरकारी व गैर सरकारी नाजाइज़ क़ब्ज़ों से छुडाने और वक़्फ़ की जायदाद को आधुनिक सम्भावनाओं और शरई नियमों की रिआयत करते हुए बढाने, लाभकारी बनाने और पूंजी निवेश करने का प्रयास किया जाए।

2- विधवाओं, तलाक़शुदा औरतों, यतीमों, रोगियों और अन्य ज़रूरतमन्द लोगों की मदद करने के लिए औक़ाफ़ की स्थापना का कार्य किया जाए।

3- ज़रूरतमन्द छात्रें की मदद और उनके लिए स्कालरशिप छात्रवृत्ति आदि उपलब्ध कराने के लिए ''विशेष शैक्षिक फ़ंड'' स्थापित किया जाए।

4- दीनी केन्द्र और इस्लामी मदरसों की सहायता के लिए ''दीनी केन्द्र फंड'' भी स्थापित किया जाए।

5- इन तमाम विभागों के लिए दानी लोगों को चाहिए कि दिल खोल कर हिस्सा लें जो इन्शाअल्लाह यह उनके लिए सदका-ए-जारिआ होगा।

☆☆☆